''महिला अध्ययन केंद्र दुवासु मथुरा द्वारा गोद लिए गए गांव की महिलाओं का सम्मेलन वह टीबी रोगियों से मुलाकात ''

उत्तर प्रदेश पंडित दीनदयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गौ अनुसंधान संस्थान, मथुरा, उत्तर प्रदेश में स्थापित महिला अध्ययन केंद्र द्वारा माननीय कुलपति महोदय प्रोफेसर अनिल कुमार श्रीवास्तव के मार्गदर्शन व निर्देशन में 5 फरवरी से 4 मार्च 2024 के मध्य मनाऐ जा रहे दीक्षोत्सव माह– 2024 के आयोजनों के क्रम में आज दिनांक 7 फरवरी 2024 को विश्वविद्यालय परिसर में ''गोद लिए गए गांवों की महिलाओं का सम्मेलन एवं गोद लिए गए टीवी के मरीजों से मुलाकात'' का एक दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। साथ ही मथुरा जनपद के वदी गॉव में महिलाओं व बालिकाओं के लिये प्रोफेसर डॉ रशिम सिंह समन्वयक की अक्ष्यक्षता मे महिला दिवस, अंतर्राष्टीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस एक दिवसीय कार्यक्रम के प्रथम सत्र में महिला सम्मेलन की शुरुआत मां सरस्वती को पुष्पांजलि भेंट कर सरस्वती वंदना व विश्वविद्यालय की छात्राओं द्वारा विश्वविद्यालय गीत गाकर की गई। महिलाओं को जागरूक करने व उनसे परस्पर वार्तालाप करने हेतु सम्मेलन में पशु चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय के अधिष्ठाता प्रोफेसर विकास पाठक, निदेशक शोध प्रोफेसर विनोद कुमार, विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन केंद्र की नोडल अधिकारी व अधिष्ठाता स्नातकोत्तर शिक्षा प्रोफेसर अर्चना पाठक के साथ–साथ दो प्रखर व ओजस्वी वक्ताओं के रूप में उप जिलाधिकारी, छाता सुश्री श्वेता सिंह व उप पशु जिला अधिकारी डॉ प्रतिभा सचान मंच पर उपस्थित रहे।कार्यक्रम की नोडल अधिकारी प्रोफेसर अर्चना पाठक ने कार्यक्रम की शुरुआत आयोजन की रूपरेखा का वर्णन करके की। गोद लिए गए गांव में से रामनगर व विट्ठल नगर से कुल 48 महिलाओं ने कार्यक्रम में भाग लिया। महिला सम्मेलन के उपलक्ष्य में आमंत्रित दोनों ही वक्ताओं ने महिला को शिक्षित होने की आवश्यकता पर जोर देते हुए यह बताया कि जब एक बालिका या महिला शिक्षित होती है वह दो परिवारों को अर्थात पूरे समाज को जागरूक करने की दिशा में सहायक होती है। वक्ताओं ने महिलाओं व बालिकाओं की शिक्षा, विकास, व आमदनी बढ़ाने हेतु चलाई जा रही शासन की योजनाओं जैसे– कन्या सुमंगला योजना, कस्तूरबा गांधी विद्यालय योजना, मिशन शक्ति योजना, राष्ट्रीय गोकुल मिशन योजना, मुख्यमंत्री सहभागिता योजना, पशु किसान क्रेडिट कार्ड योजना, पशुधन बीमा योजना, नंद बाबा पशुपालक प्रोत्साहन योजना व कई अन्य पशुपालन प्रोत्साहन की योजनाओं के माध्यम से महिलाओं को जागृत करने की उत्साहवर्धक मुहिम में सहयोग किया।इस कार्यक्रम के अपराह्न में आयोजित द्वितीय सत्र में विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए टीबी के आठ मरीजों से मुलाकात करके उनके स्वास्थ्य संबंधी विकास के संबंध में जानकारी लेकर उन्हें न्यूट्रीकिट का वितरण किया गया। इस कार्यक्रम में कुल सचिव, दुवासु, मथुरा प्रोफेसर अरुण कुमार मदन व उप चिकित्सा जिला अधिकारी डॉक्टर भूदेव सिंह भी उपस्थित रहे । उप चिकित्सा जिला अधिकारी की उपस्थिति व उनके व्याख्यान में टीवी रोग से संबंधित आवश्यक जानकारी, इससे बचाव के उपाय व उचित पोषण के माध्यम से इस रोग से लड़ने के संबंध में उचित दिशा निर्देशों द्वारा सभी का ज्ञानवर्धन किया गया । अधिष्ठाता, पशु चिकित्सा विज्ञान पशुपालन महाविद्यालय प्रोफेसर विकास पाठक ने सभा को संबोधित करते हुए कहा की महिलाओं की विकास में भागीदारी से ही संपूर्ण राष्ट्र का विकास संभव है। निदेशक शोध प्रोफेसर विनोद कुमार ने कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए बताया कि वर्ष 2024 अपनी शुरुआत से ही महिलाओं को समर्पित वर्ष प्रतीत हो रहा है, जैसे कि लोकसभा में महिलाओं की भागीदारी को सुनिश्चित करता महिला आरक्षण बिल व गणतंत्र दिवस की परेड पर राष्ट्र की तीनों सुरक्षा टुकड़ियों में नभ, जल व थल सेवा में महिलाओं द्वारा किया गया प्रदर्शन हमें निरंतर महिला सशक्तिकरण की ओर प्रेरित करता है।कार्यक्रम का संचालन डॉ ममता, सहायक आचार्य, पशु उत्पादन व प्रबंधन विभाग द्वारा तथा कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन डॉक्टर बरखा शर्मा सह आचार्य, एपिडेमियोलॉजी विभाग द्वारा किया गया । दोनों सत्र के कार्यक्रम के उपरांत सभी का सामूहिक चित्र लिया गया व स्वल्पाहार के साथ–साथ गांव से आई महिलाओं को भोजन पैकेट का भी वितरण

किया गया। बदी गॉव में आयोजित कार्यक्रम में 48 बालिकाओं एंव 22 महिलाओं ने पूर्ण उत्साह व उर्जा से प्रतिभाग किया। सभी प्रतिभागियों को भारतीय इतिहास में विज्ञान,शिक्षा, कला, खेल, उघोग, चिकित्सा, शासन आदि विभिन्न क्षेत्रों में प्रख्यात महिलाओं की जीवनी, शिक्षा व प्रतिभाओं से परिचित कराया गया। साथ ही बालिकाओं के लिये चित्रकला एंव निबंध प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें सभी ने उत्साह के साथ बढ–चढ कर भाग लिया। समस्त विजेताओं के उत्साहवर्धन हेतु पुरूकृत भी किया गया। सम्पूर्ण कार्यक्रम के सफल आयोजन में महिला अध्ययन केन्द्र के सभी सदयों का सहयोग सराहनीय रहा।